निम्न पत्रक बॉयो रे में उपलब्ध है:

1. बीजामृत (बीज उपचार)
2. सी.पी.पी. + गौमुत्र (बीज उपचार)
3. निम्बोली का अर्क
4. जि. ओ. सी.
5. टॉप टेन
6. नीम तेल और हिंग
7. गौमुत्र
8. छाछ
9. कपास की प्राथमिक अवस्था में रक्षा
10. जीवामृत
11. स्प्रे केसै करें

The leaflets are available in English and Hindi

उपरोक्त पत्रक हिन्दी और इंगलिश मे उपलब्ध है।

इस पत्रक मे दि गई जानकारी बॉयो रे के अधिकारीयो के ज्ञान व बॉयो रे किसानों के अनुभव के आधार पर दि गई है। इसमें कुछ विधीयॉ जो दुसरे राज्यों के जैविक किसानों द्वारा अपनाई गई है उन्हे सम्मिलित किया है तथा कुछ विधीयों को पीटर प्राक्टर द्वारा प्रस्तावित बॉयोडायनामिक पद्वति से लिया गया है (जैसे सी.पी.पी.)।

bioRe® Research Station
5th km Milestone, Mandleshwar road
Kasrawad, Distr. Khargone
MP-451228 India
Tel.: +919926838549
Email: biore.lokendra@gmail.com

तारीख: फ़रवरी 2014

लेखक: लोकेन्द्र सिंह मण्डलोई
क्लाउडीया उट्स्
जुलियाना ज्वाईफैल्
राजीव वर्मा

सलाह पत्रक

जैविक कीट नियंत्रण के लिए स्वयं निर्मित दवाईयों को बनाना और उनका उपयोग करना।

उपयोग: ज्यादा अंकुरण व स्वस्थ पौधो के लिए

सामग्री

यह मात्रा 10 किलो बीज को उपचारित करने के लिऐ पर्याप्त है !

सी. पी. पी
500 ग्राम

गौमुत्र
500 मि.ली.

साधन

* $^{1}/_{2}$ (आधा) लिटर का नाप
* तगारी
* प्लास्टीक कि पल्ली

असर प्रणाली

सी.पी.पी के अंदर लाभदायक बैक्टेरीया व फफुंद मोजुद होते है जो की बॉयोडायनामीक प्रेप्पस 502 से 507 के कारण सक्रियता संवेदनशीलता व जैव उजा का वहन करते है। सी.पी.पी में गौमुत्र मिले होने से यह अंकुरण के समय बीजों कि हानीकरक बैक्टेरीया व हानीकरक फफुंद से रक्षा करता है और पौधो को पोषक तत्व प्रदान करता है।

सी.पी.पी. व गौमुत्र से आप हर प्रकार के बीजों को उपचारित कर सकते हैं।

सी.पी.पी बनाने की विधी के बारे मे आप बॉयो रे के कर्मचारीयों से संपर्क करें।

मात्राः	आधागिलास मिश्रण (150 मि.ली) से 500 ग्राम बीजों को उपचारित करें व 1 लिटर से 3 किलो बीज को उपचारित करें।
रखने की अवधिः	ताजा बना हुआ सी.पी.पी को 6 माह के अंदर उपयोग कर लें।
सीमाएः	सी.पी.पी को नमी युक्त छायादार स्थान पर संग्रहित करें।
सक्रिय तत्वः	इसमें कैल्सीयम, नत्रजन, फॉसफोरस और सशी सुक्ष्म तत्व उपलब्ध हैं।

बनाने कि विधि

चरण 1ः सी. पी. पी. व गौमुत्र को तगारी मे मिश्रीत करलेते है व बाद मे इसेमे बीज उपचारीत करते है।

चरण 2ः बीज को मिश्रण मे अच्छी तरह मिलाऐ और 30 मिनीट के लिए रखदें।

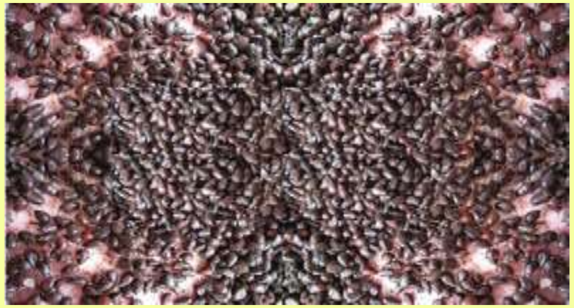

चरण 3ः मिश्रीत बीजों को छाया में प्लास्टीक कि पल्ली के उपर फैलाकर कुछ समय सुखने के लिए रख दें बाद में इन बीजो को नमी युक्त जमीन में बुआई करें।